विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 17-08-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

लोभात् क्रोधः प्रभवति लोभात् कामः प्रजायते,

लोभात् मोहश्च नाशश्च लोभः पापस्य कारणम्।।

भावार्थः- लोभ से क्रोध उत्पन्न होता है, क्रोध से द्रोह होता है, द्रोह से शास्त्र ज्ञानी भी नरकगति को प्राप्त हो जाता है।

विशेष

- जब दो वस्तुओं अथवा व्यक्तियों में तुलना की जाती है, तब उत्तरावस्था (Comparative degree) का प्रयोग होता है और 'तरप्' प्रत्यय के साथ पञ्चमी विभक्ति, एकवचन का प्रयोग होता है, जैसे–
  लता सुनीतायाः बुद्धिमत्तरा अस्ति। रामः श्यामात् बुद्धिमत्तरः अस्ति।
- जब तुलना दो से अधिक के साथ हो, तो उत्तमावस्था (Superlative degree) का प्रयोग होता है और 'तमप्' प्रत्यय के साथ षष्ठी या सप्तमी विभक्ति, बहुवचन का प्रयोग होता है। जैसे–
  रामः छात्राणाम्/छात्रेषु बुद्धिमत्तमः अस्ति। कालिदासः कवीनाम् / कविषु श्रेष्ठतमः अस्ति।

शब्दकोश (Dictionary)

सौवर्णानि	सोने का	Golden	तृष्णा	धन की इच्छा	Desire for wealth
पिपासितः	प्यासा	Thirsty	अवर्धत	बढ़ गई	Grew more
परीक्षितुम्	परीक्षा करने के लिए	To test	आह्लादितः	अत्यन्त प्रसन्न	Over joyed
			बद्ध्वा	बाँधकर	Folded hands
एकैकं कृत्वा	एक-एक करके	One by one	अस्पृशत्	छुआ	Touched
आभया	चमक से	With shine	आभासितम्	चमकता हुआ	Shining
श्रान्तः	थका हुआ	Tired	रोदिषि	(तुम) रो रहे हो	(you) are crying
निवारयितुम्	हटाने के लिए	For taking back			
रुदन्	रोता हुआ	Crying	यापयन्	बिताता हुआ	Spending

सन्धियुक्त शब्द

यस्यापि	=	यस्य+अपि	यथैव	=	यथा+एव
तस्मिन्नेव	=	तस्मिन्+एव	एकैकम्	=	एक+एकम्
महर्षिः	=	महा+ऋषिः	सापि	=	सा+अपि

प्रत्ययप्रयुक्त शब्द

त्यक्ता = √त्यज्+क्त रुदन् = √रुद्+शतृ पश्यतः = √दृश्+शतृ यापन् = √याप्+शतृ